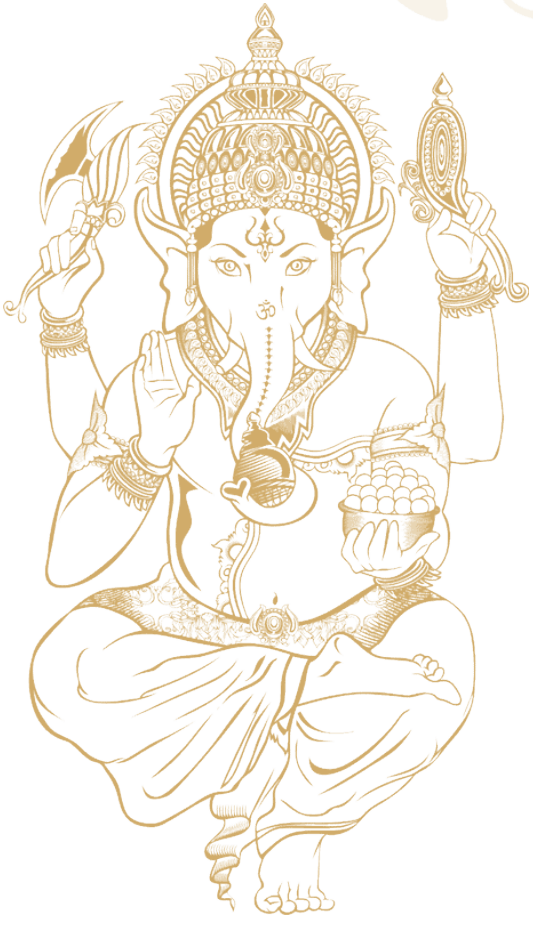

Piyush Kumar

21 Apr 2024

02:45 PM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121858707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/04/2024**
दिन	रविवार
जन्म समय	**14:45:00 घंटे**
इष्ट	23:24:39 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:52:44 घंटे
वेलान्तर	00:01:21 घंटे
साम्पातिक काल	04:52:29 घंटे
सूर्योदय	05:23:08 घंटे
सूर्यास्त	18:19:09 घंटे
दिनमान	12:56:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	07:33:50 मेष
लग्न के अंश	20:42:14 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:42:14	321:45:58	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मेष	07:33:50	00:58:31	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	08:49:21	11:51:04	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	28:38:58	00:46:27	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	मीन	22:30:11	00:20:34	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	नीच राशि
गुरु			मेष	27:42:01	00:13:46	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मीन	25:49:39	01:13:59	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	21:33:17	00:05:49	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु			मीन	21:27:01	00:00:45	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	21:27:01	00:00:45	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	27:39:03	00:03:19	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	---
नेप			मीन	04:25:51	00:01:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:52:41	00:00:19	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	20:14:56	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:42

लग्न-चलित

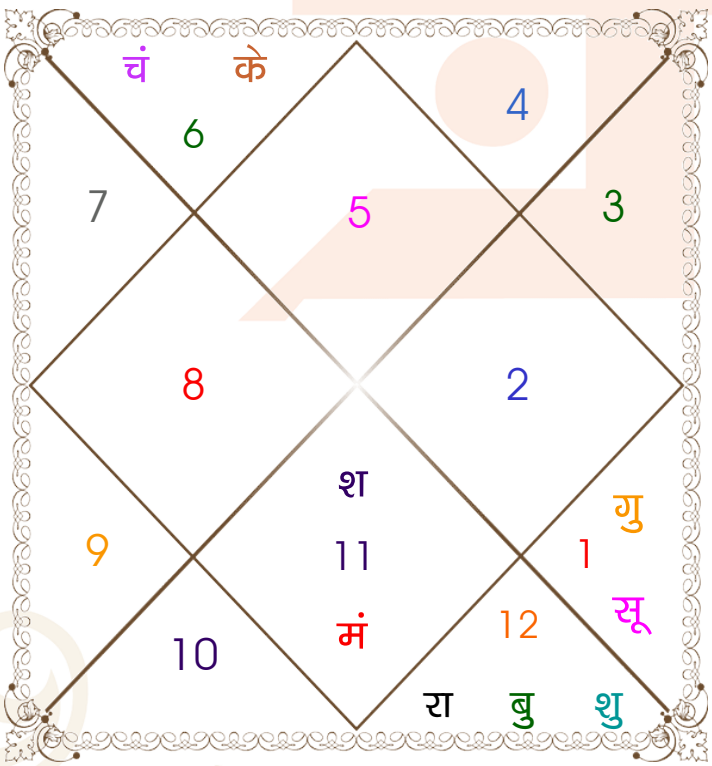

चन्द्र कुंडली

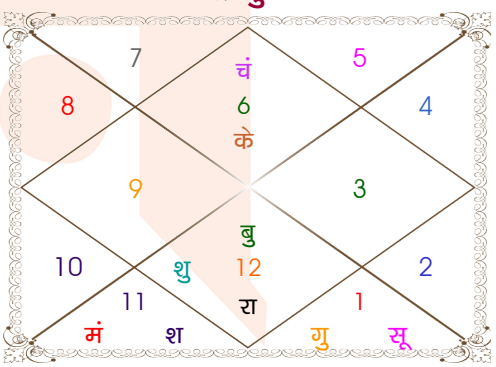

नवमांश कुंडली

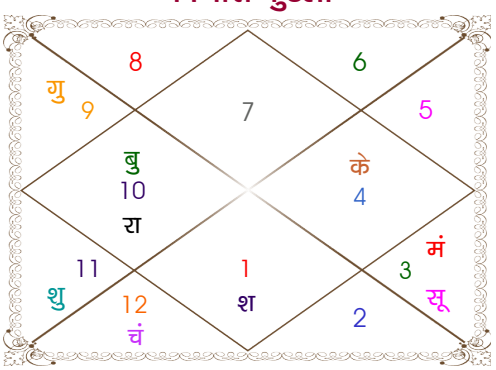

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 6 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/04/2024		01/11/2024		01/11/2034		01/11/2041		01/11/2059	
01/11/2024		01/11/2034		01/11/2041		01/11/2059		01/11/2075	
	00/00/0000	चंद्र	01/09/2025	मंगल	30/03/2035	राहु	14/07/2044	गुरु	20/12/2061
	00/00/0000	मंगल	02/04/2026	राहु	17/04/2036	गुरु	08/12/2046	शनि	02/07/2064
	00/00/0000	राहु	02/10/2027	गुरु	24/03/2037	शनि	14/10/2049	बुध	08/10/2066
	00/00/0000	गुरु	31/01/2029	शनि	03/05/2038	बुध	02/05/2052	केतु	14/09/2067
	00/00/0000	शनि	01/09/2030	बुध	30/04/2039	केतु	21/05/2053	शुक्र	15/05/2070
	00/00/0000	बुध	01/02/2032	केतु	26/09/2039	शुक्र	20/05/2056	सूर्य	03/03/2071
	00/00/0000	केतु	01/09/2032	शुक्र	25/11/2040	सूर्य	14/04/2057	चंद्र	02/07/2072
	21/04/2024	शुक्र	03/05/2034	सूर्य	02/04/2041	चंद्र	14/10/2058	मंगल	08/06/2073
शुक्र	01/11/2024	सूर्य	01/11/2034	चंद्र	01/11/2041	मंगल	01/11/2059	राहु	01/11/2075

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/11/2075		01/11/2094		02/11/2111		02/11/2118		02/11/2138	
01/11/2094		02/11/2111		02/11/2118		02/11/2138		22/04/2144	
शनि	04/11/2078	बुध	30/03/2097	केतु	31/03/2112	शुक्र	04/03/2122	सूर्य	20/02/2139
बुध	14/07/2081	केतु	27/03/2098	शुक्र	31/05/2113	सूर्य	04/03/2123	चंद्र	21/08/2139
केतु	23/08/2082	शुक्र	26/01/2101	सूर्य	06/10/2113	चंद्र	02/11/2124	मंगल	27/12/2139
शुक्र	23/10/2085	सूर्य	02/12/2101	चंद्र	07/05/2114	मंगल	02/01/2126	राहु	20/11/2140
सूर्य	05/10/2086	चंद्र	04/05/2103	मंगल	03/10/2114	राहु	02/01/2129	गुरु	08/09/2141
चंद्र	05/05/2088	मंगल	30/04/2104	राहु	21/10/2115	गुरु	03/09/2131	शनि	21/08/2142
मंगल	14/06/2089	राहु	17/11/2106	गुरु	26/09/2116	शनि	02/11/2134	बुध	28/06/2143
राहु	20/04/2092	गुरु	22/02/2109	शनि	05/11/2117	बुध	02/09/2137	केतु	02/11/2143
गुरु	01/11/2094	शनि	02/11/2111	बुध	02/11/2118	केतु	02/11/2138	शुक्र	22/04/2144

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 6 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।